

जनप्रतिनिधियों को विधानमंडलों की गरिमा और मर्यादा को बढ़ाने के लिए पूरी लगन से काम करना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

....

विधानमंडल वाद-विवाद और चर्चा के मंच हैं, व्यवधान के नहीं: लोक सभा अध्यक्ष

....

युवाओं के हर प्रयास में 'नेशन फ़र्स्ट' की भावना होनी चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

....

युवाओं को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से कार्य करना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

....

विधेयकों पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए ताकि लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को क़ानूनों में प्रभावी ढंग से शामिल किया जा सके: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव में प्रतिभागियों को संबोधित किया

....

नई दिल्ली; 11 मार्च, 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में तीसरे राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव (एनवाईपीएफ) के समापन सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित किया।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि राष्ट्रीय युवा संसद युवाओं को लोकतांत्रिक और संसदीय प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी देने का एक अभिनव कार्यक्रम है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि इससे युवाओं को नए भारत के निर्माण में भागीदारी करने का प्रोत्साहन मिल रहा है। युवाओं की बौद्धिक क्षमता और अपार ऊर्जा की सराहना करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि आज पूरे विश्व में भारत के नौजवानों की बढ़ती उपस्थिति से विश्व गुरु के रूप में भारत की स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

श्री बिरला ने पूरी दुनिया में तेजी से हो रहे परिवर्तनों का उल्लेख करते हुए युवाओं से इन परिवर्तनों के अनुसार स्वयं को ढालने का आग्रह किया ताकि बदलती परिस्थितियों के अनुसार वे खुद को तैयार कर सकें और देश को भी आगे ले जा सकें। श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे देश आगे बढ़ रहा है, युवाओं को भी अपनी प्रतिभा और ऊर्जा से विकास, लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने में योगदान देना चाहिए। श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि युवाओं के हर प्रयास में 'नेशन फ़र्स्ट' की भावना होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय ने यह भी कहा कि युवाओं को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के वृहत लक्ष्य के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से कार्य करना चाहिए।

विधानमंडलों में गरिमा और मर्यादा में कमी आने पर चिंता व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि विधानमंडल बहस और चर्चा का मंच है न कि व्यवधान का। अध्यक्ष महोदय ने कहा कि विधेयकों पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए ताकि समाज के सभी वर्गों की आशाओं और आकांक्षाओं को कानूनों और विधानों में प्रभावी ढंग से शामिल किया जा सके। श्री बिरला ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान व्यवधान संसदीय परंपरा के अनुकूल नहीं है। इस बात पर जोर देते हुए कि जनप्रतिनिधियों को सदनों की गरिमा और मर्यादा को बढ़ाने के लिए पूरी लगन से काम करना चाहिए, श्री बिरला ने कहा कि युवाओं को इस मुद्दे पर अपने प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने की महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

इस अवसर पर श्री बिरला ने तीसरे राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

इससे पूर्व केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री, श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने श्री बिरला का स्वागत किया।

युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, श्री निसिथ प्रमाणिक भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महासचिव, श्री पी.सी.मोदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

युवा मामले और खेल मंत्रालय तथा लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतन्त्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित तीसरे राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव (एनवाईपीएफ़) का उद्घाटन 10 मार्च, 2022 को संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में किया गया था।